विदर्भ स्वाभिमान

www.vidarbhswabhiman.com

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

9423426199/8855019189

❖ अमरावती, 4 से 10 जून 2026 ❖वर्ष :17 ❖अंक- 01 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य-4/-पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2025-2027❖डाक : शुक्रवार-शनिवार MAHHIN/2010/ 43881

मौसम के संकेत के बाद भी मानव है बेखबर

विश्व पर्यावरण दिवस पर विशेष, हर व्यक्ति लगाए 5 पेड़ और संवर्धन करे

विदर्भ स्वाभिमान,3 जून

अमरावती- प्रकृति भी परमात्मा के तुल्य है, जिस तरह से प्रकृति मानव को देती है, उतना तो शायद ही कोई हो जो इंसान को देता है. लेकिन मानव द्वारा पर्यावरण के साथ जिस तरह से लगातार खिलवाड़ किया जा रहा है, वह गंभीर विषय है, इतना ही नहीं तो हमारे दादा-परदादाओं ने हरी-भरी वसुंधरा हमें दी थी लेकिन क्या हम बढ़ाने की बजाय जितना दिया था, उतना बरकरार रख सकें हैं. पिछले तीन दशकों से दुनिया में हर मिनट 37 फुटबाल मैदानों जितदने जंगल नष्ट हो रहे हैं. समुद्र का स्तर 8 से 9 इंच बढ़ा है. इसका स्वास्थ्य पर असर पड़ रहा है. लेकिन बावजूद इसके विषय को जितना गंभीरता से लेना चाहिए, नहीं लिया जा रहा है.

मौसम में बदलाव गंभीर

पर्यावरण संतुलन के साथ छेड़छाड़ के कारण ही आज हर मौसम बदलते हुए स्पष्ट रूप से नजर आ रहा है. अमरावती सहित महाराष्ट्र में जिस तरह से तापमान बढ़ रहा है, पूरे देश में तापमान जिस तरह से बढ़ रहा है, वह आगामी खतरे का संकेत है. सरकारी स्तर पर प्रयास किया जा रहा है लेकिन निजी संस्थाओं को भी पौधारोपण में पूरा योगदान देने का प्रयास करना चाहिए.

ज़ानलेवा गर्मी, बारिश अनियमित

प्रकृति इंसान को जीभर कर देती है. लेकिन पेड़ों की स्वार्थ के लिए कटाई, नदी-नालों में कचरा के साथ ही कुएं तो तेजी से बुझ रहे हैं. इससे केवल मौसम नहीं बल्कि जलस्तर भी जिस तेजी से नीचे जा रहा है, वह अत्याधिक गंभीर और खतरनाक है. बोअरवेल पहले घंटों चलती थी लेकिन इस साल गर्मी में दस-दस मिनट के बाद बोअर को बंद करने की नौबत आयी है. वर्ष 2015 से 2025 इतिहास का सबसे गर्म वर्ष रहा है. उत्तर प्रदेश में जंगलों की भरमार रहने के बाद भी प्रयागराज में 14 मई से जिस तरह से गर्मी ने असर दिखाया, वह निश्चित ही सोचनीय है. साथ ही यह संदेश देने के लिए काफी है कि अभी भी कुछ नहीं बिगड़ा है, दादा-परदादाओं ने जो दिया था, अगर उस हाल में भी वसुंधरा को लाकर रखते हैं तो निश्चित तौर पर आगामी पीढ़ियां हमें दुवाएं देंगी. मौसम की गड़बड़ी विभिन्न बीमारियों के रूप में सभी को सता रही है. विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून पर सभी को विदर्भ स्वाभिमान की हार्दिक शुभकामनाएं.

बाबूजी के आदर्श विचार

जीवन की खुशियां

जीवन में दर्द देने वालों को ढूंढना नहीं पड़ता है. कई बार जिनके प्रति आप समर्पित रहते हैं, वही अधिक दर्द देते हैं. इसलिए परमात्मा के नाम के स्मरण के साथ ही अपने से कमजोर लोगों के लिए अगर कुछ कर सकते हो तो निश्चित तौर पर करने का प्रयास करना चाहिए. जब अपने भूल जाते हैं तो यही ऐसे लोग रहते हैं, जो आपको दिल में रखते हैं और सदा याद रखते हैं. बाकी तो स्वार्थ भरी दुनिया में कोई किसका नहीं होता है.

बाघिन जीनत ने दिया दो शावकों को जन्म

विदर्भ स्वाभिमान, 3 जून

अनगल (ओडिशा)-ओडिशा के सिमिलिपाल अभयारण्य में दो साल पहले महाराष्ट्र से प्रजनन उद्देश्य से लाई गई बाघिनों जीनत और यमुना को लेकर वन विभाग की निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठ खड़े हुए हैं. जहां एक ओर बाघिन जीनत ने हाल ही में शावकों को जन्म देकर विभाग को बड़ी सफलता दिलाई है, वहीं दूसरी ओर यमुना की स्थिति अब भी अनिश्चित बनी हुई है.दोनों बाघिनों को सिमिलिपाल में छोड़ा गया था, लेकिन कुछ समय बाद वे क्षेत्र से बाहर चली गई थीं. बाद में जीनत वापस सिमिलिपाल लौट आई और सफलतापूर्वक प्रजनन कर मां बनी. इसके विपरीत यमुना एक बार बालेश्वर जिले के कुलडिहां अभयारण्य के पुराने जलाशय क्षेत्र में देखी गई थी, जिसके बाद उसकी निगरानी की जिम्मेदारी कुलडिहां रेंज को सौंपी गई.

हमारी दुग्धपूर्णा, हमारी संस्कृति

19वीं सदी में अमरावती मध्य भारत का एक बड़ा व्यापारिक हब था। कपड़ा, सिल्क, लग्जरी सामान, अनाज और पैसा भी अमरावती से दूसरे हिस्सों में भेजा जाता था। युद्ध के दौरान भी अचलपुर के नवाब के ज़रिए अमरावती से मुग़लों को अनाज और पैसा भेजा जाता था। इसके लिए दो परगने मशहूर थे। वे थे खोलापुर और कारंजा, जिन्हें अनाज का खोलापुर व धन का कारंजे कहा जाता था।

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

वन्यजीवों की खबरों में बरतनी चाहिए सतर्कता

ब्रेकिंग के चक्कर में कई बार गलत खबरें तथा फोटो लोगों में जहां गलत संदेश पैदा करते हैं, वहीं दूसरी ओर तेंदुआ या अन्य जीवों के मामले में गलत खबर निश्चित ही गलत संदेश देती है. पत्रकारिता में वैसे भी दोनों पक्षों की सुनने के बाद खबर का नियम होता है. लेकिन कई बार अति उत्साह में आधी-अधूरी खबरों से वन विभाग को दिक्कत आती है. गत दिनों वन विभाग द्वारा जिस तरह से इस मामले मैं स्पष्टीकरण भेजा गया, उस पर निश्चित तौर पर विचार करना चाहिए.

वन्यजीव तथा वन विभाग के मामले में आधुनिकता के दौर में कई बार विचित्र स्थिति बन जाती है. सोशल मीडिया तथा कई बार मीडिया द्वारा भी नहीं समझने के बाद भी स्वयं को समझदार दिखाने का प्रयास भ्रामक साबित होता है, ऐसे में जिम्मेदारी का परिचय देते हुए सच्चाई जानकर ही वन विभाग अथवा वन्यजीवों के बारे में जानकारी समझदारी के साथ ही प्रकाशित करने का आग्रह किया. नरभक्षी बाघिन के रूप में सुख्यात बाघिन को भेजने के मामले में वन विभाग ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि बाघिन नहीं, उसके शावक को परतवाड़ा स्थानांतरित किया गया है. सिंदेवाही परिक्षेत्र की टी-2 नामक बाघिन को परतवाड़ा स्थानांतरित किए जाने संबंधी समाचारों को भ्रामक और तथ्यहीन बताते हुए सच्चाई जानने के बाद समाचार प्रकाशित करने का आग्रह किया. वन विभाग ने स्पष्ट किया है कि बाघिन को नहीं, बल्कि उसके एक शावक (टी-2 क्यूब-1) को परतवाड़ा ट्रांजिट ट्रीटमेंट सेंटर भेजा गया है. वन विभाग के अनुसार, मानव-वन्यजीव संघर्ष की स्थिति को देखते हुए टी-2 बाघिन और उसके शावकों को सुरक्षित रूप से पकड़ा गया था. इसके बाद एक शावक को चिकित्सकीय देखरेख, सुरक्षा और आवश्यक देखभाल के लिए परतवाड़ा स्थानांतरित किया गया.

विभाग ने यह भी स्पष्ट किया कि शावक को मेलघाट व्याघ्र प्रकल्प में छोड़ने या प्राकृतिक आवास में पुनर्स्थापित करने की फिलहाल कोई योजना नहीं है. सोशल मीडिया और कुछ माध्यमों में फैल रही ऐसी खबरें पूरी तरह अफवाह हैं. वन विभाग ने नागरिकों और मीडिया से अपील की है कि भ्रम और अनावश्यक भय फैलाने से बचने के लिए केवल विभाग से सत्यापित जानकारी ही प्रसारित कर सहयोग देने का वन विभाग द्वारा किया गया आग्रह निश्चित ही विचारणीय है. वन विभाग तथा वन्यजीवों से जुड़ी खबरें गंभीर विषय होता है, ऐसे में इनकी सही जानकारी हासिल करने के बाद ही इसे प्रकाशित किया जाना चाहिए. कई बार सोशल मीडिया पर भी भ्रामक बातें बता जी जाती हैं. कुछ महीने पहले अमरावती-बडनेरा रेलवे गाड़ी में तेंदुए द्वारा यात्री पर हमला करने की अफवाह इसी तरह फैलाई गई थी. जबकि इसमें कोई सच्चाई नहीं थी और एआई से तैयार किया पाया गया. अमरावती-बडनेरा के बीच में कहीं जंगल नहीं है. नरभक्षी बाघिन के बारे में ब्रेकिंग में गलत जानकारी देने को वन विभाग ने गंभीरता से लेते हुए संबंधितों से भी वन्यजीवों के बारे खबरें छापने से पहले उसकी पुष्टि करने तथा सच्चाई जानने के बाद ही खबरें प्रकाशित करने का आग्रह किया. पत्रकारिता के सिद्धांतों का पालन करते हुए पत्रकारिता करने से ऐसी स्थिति से निश्चित तौर पर बचा जा सकता है.पत्रकारिता क्षेत्र में स्पष्टता, पारदर्शिता निश्चित तौर पर जरूरी होती है. इसका सभी को ध्यान रखना चाहिए.

गणवेश पर अव्यवहारिकता का साया

विदर्भ स्वाभिमान

www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

जीवन में शिक्षा का कितना महत्व रहता है, यह जानने के बाद भी जिस तरह से सरकारी स्कूलों को बंद करने के साथ ही गणवेश तथा अन्य खर्चों के मामले में सरकारी रवैया है, वह निश्चित ही दुःखदायी कहना गलत होगा. वैसे भी करोड़पतियों का घर भरने के राजा-महाराजाओं जैसे ठाट आज भी हैं. सांसद-विधायकों की पेंशन बढ़ती है और सीमा पर जो जवान जान की बाजी लगाकर देश की रक्षा करता है, उसके लिए निधि की समस्या जैसी विचित्र स्थिति हमारे ही देश में हो सकती है. गणवेश को लेकर जिस तरह का खर्च तय किया गया है, वह न केवल हास्यास्पद बल्कि चिंतनीय भी है. शिक्षा केवल पुस्तकों और कक्षाओं तक सीमित नहीं होती, बल्कि विद्यार्थियों को समान अवसर उपलब्ध कराने वाली योजनाएं भी उसकी महत्वपूर्ण कड़ी हैं. गरीब और जरूरतमंद विद्यार्थियों को निःशुल्क गणवेश उपलब्ध कराने की राज्य सरकार की योजना निस्संदेह स्वागतयोग्य और सामाजिक न्याय की दिशा में एक सकारात्मक पहल है. किंतु किसी भी कल्याणकारी योजना की सफलता उसके उद्देश्य से नहीं, बल्कि उसके क्रियान्वयन की व्यवहारिकता से तय होती है.

नए शैक्षणिक सत्र 2026-27 की शुरुआत से ठीक पहले गणवेश वितरण संबंधी जारी संशोधित आदेश ने कई व्यावहारिक प्रश्न खड़े कर दिए हैं. राज्य में लगभग 40 से 45 लाख विद्यार्थियों को गणवेश उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है, लेकिन सिलाई के लिए मात्र 110 रुपये प्रति गणवेश की दर निर्धारित करना वर्तमान बाजार परिस्थितियों से मेल नहीं खाता. जब सामान्य सिलाई की लागत ही इससे कहीं अधिक है, तब गुणवत्तापूर्ण गणवेश की अपेक्षा करना कठिन प्रतीत होता है. परिणामस्वरूप योजना की गुणवत्ता और प्रभावशीलता दोनों प्रभावित हो सकती हैं.भ्रष्टाचार ने पूरी शिक्षा व्यवस्था को निगलने में कसर नहीं छोड़ी है. नियुक्ति से लेकर गणवेश तक कहीं पारदर्शिता नहीं है. दूसरा महत्वपूर्ण मुद्दा समय का है. सत्र प्रारंभ होने में कुछ ही दिन शेष रहते लाखों विद्यार्थियों के माप लेना, कपड़े की उपलब्धता सुनिश्चित करना और समय पर गणवेश तैयार कर वितरण करना एक बड़ी प्रशासनिक चुनौती है. यदि प्रक्रिया समय पर पूरी नहीं होती तो सबसे अधिक नुकसान उन विद्यार्थियों का होगा, जिनके हित के लिए यह योजना बनाई गई है.इस पूरी व्यवस्था का एक और चिंताजनक पहलू शिक्षकों और मुख्याध्यापकों पर बढ़ने वाला गैर-शैक्षणिक बोझ है. पहले से ही अनेक प्रशासनिक जिम्मेदारियां निभा रहे शिक्षकों को यदि गणवेश वितरण जैसी प्रक्रियाओं में उलझाया जाएगा, तो इसका प्रतिकूल प्रभाव शिक्षण कार्य पर पड़ना स्वाभाविक है. शिक्षा व्यवस्था का मूल उद्देश्य शिक्षण की गुणवत्ता बढ़ाना होना चाहिए, न कि शिक्षकों को अतिरिक्त प्रशासनिक कार्यों में व्यस्त रखना.

स्कूल प्रबंधन समितियो की भूमिका को सीमित करने पर भी पुनर्विचार की आवश्यकता है. स्थानीय स्तर पर निर्णय लेने की व्यवस्था अक्सर अधिक प्रभावी और जवाबदेह सिद्ध होती है. यदि पूर्व की प्रणाली सफल रही है, तो उसे पूरी तरह बदलने के बजाय उसमें सुधार का मार्ग अपनाना अधिक उपयुक्त होगा.सरकार का उद्देश्य सराहनीय है, लेकिन किसी भी योजना को सफल बनाने के लिए जमीनी हकीकत, उपलब्ध संसाधनों और समयसीमा का यथार्थवादी आकलन आवश्यक है. विद्यार्थियों, शिक्षकों और महिला स्वयं सहायता समूहों सभी के हितों को ध्यान में रखते हुए सरकार को इस निर्णय की समीक्षा करनी चाहिए. कल्याणकारी योजनाएं तभी सफल होती हैं, जब वे कागजों पर नहीं, बल्कि व्यवहार में भी सहज, सरल और प्रभावी हों. लेकिन दुर्भाग्य भ्रष्टाचार ने कल्याण को खा लिया है.

पर्यावरण के महत्व को समझना होगा

हरियाली के अभाव में मानव जीवन पर लगातार बढ़ रहा है खतरा, कम करना मानव के ही हाथ में

विदर्भ स्वाभिमान
सुदर्शन गांग,बडनेरा

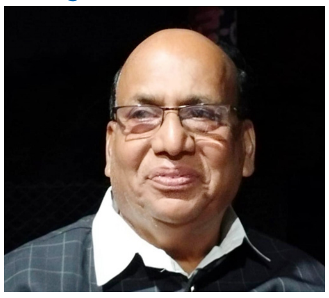

विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून पर आनंद परिवार तथा विदर्भ स्वाभिमान अखबार परिवार की सभी मानवों को हार्दिक शुभकामनाएं. क्या बिना आक्सीजन के मानव जीवन की कल्पना की जा सकती है, इस सवाल का जवाब नहीं में ही होगा. हर इंसान को जन्म लेने से लेकर अंतिम समय तक 10 पेड़ की जरूरत आक्सीजन तथा अंतिम संस्कार के लिए पड़ती है. लेकिन क्या हर व्यक्ति जीवन में दस पेड़ लगाता है. केवल लेने वाली मानसिकता से बचते हुए हम सभी को पर्यावरण संतुलन में योगदान देने के लिए प्रयास करना होगा. जंगल हमारे जीवन के सबसे बड़े खुशियों के स्त्रोत होते हैं. पेड़ प्रकृति का अनमोल उपहार हैं. वे न केवल हमें प्राणवायु (ऑक्सीजन) प्रदान करते हैं, बल्कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. पेड़ वायु प्रदूषण को कम करते हैं, वर्षा चक्र को संतुलित रखते हैं और मिट्टी के कटाव को रोकते हैं.

फलदार वृक्ष हमें पौष्टिक फल देते हैं, जबकि अनेक पेड़ औषधीय

गुणों से भरपूर होते हैं. पेड़ पक्षियों और वन्यजीवों को आश्रय प्रदान करते हैं तथा गर्मी के दिनों में छाया देकर लोगों को राहत पहुंचाते हैं. इसके अलावा वे कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने में भी मदद करते हैं.

आज बढ़ती पर्यावरणीय चुनौतियों के बीच पेड़ों का महत्व और अधिक बढ़ गया है. इसलिए अधिक से अधिक वृक्षारोपण करना और लगाए गए पेड़ों का संरक्षण करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है. वास्तव में, पेड़ों के उपकार अनगिनत हैं और उनका महत्व मानव जीवन के लिए अमूल्य है. ज़ीवन में बिना पर्यावरण के हम जीवन की कल्पना नहीं कर सकते हैं. आज आक्सीजन अस्पताल में लगने पर हमे हजारों रूपए देना पड़ता है. लेकिन पेड़ जीवनभर हमें आक्सीजन देते हैं. इतना ही नहीं तो छांव से लेकर सभी कुछ देते हैं. पेड़ों की संख्या बढ़ाने में हर व्यक्ति को अपना योगदान देना चाहिए. सरकार के साथ ही निजी स्तर पर भी पौधारोपण का कार्यक्रम लेते हुए अधिकाधिक पौधे रोपित करने के साथ ही वसुंधरा को हरा-भरा करने का संकल्प जब 140 करोड़ देशवासी ले लेंगे और अमल करेंगे तो निश्चित तौर पर पूरा भारत विश्व के समक्ष उदाहरण बनकर उभरेगा. पौधारोपण हमारी आदत मेंकरने का संकल्प लेकर इसकी पूर्ति करनी चाहिए. विश्व पर्यावरण दिवस की सभी को शुभकामनाएं.

विदर्भ स्वाभिमान

यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक-सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbhäswabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com,rni. no MAHHIN/2010/ 43881

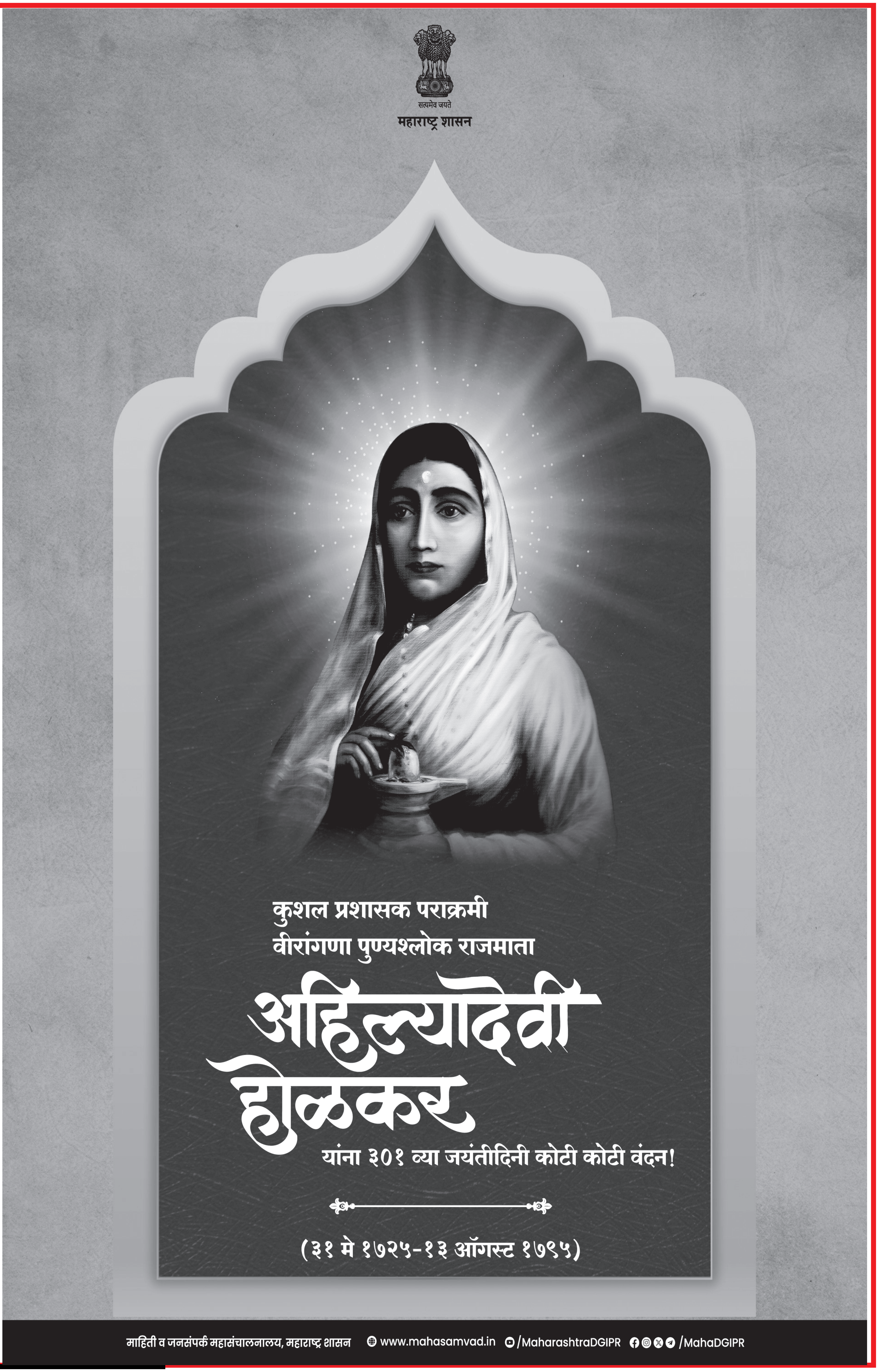
सत्यमेव जयते
महाराष्ट्र शासन
कुशल प्रशासक पराक्रमी
वीरांगणा पुण्यश्लोक राजमाता
अहिल्यादेवी
होळकर
यांना ३०१ व्या जयंतीदिनी कोटी कोटी वंदन!
(३१ मे १७२५-१३ ऑगस्ट १७९५)
माहिती व जनसंपर्क महासंचालनालय, महाराष्ट्र शासन
www.mahasamvad.in
/MaharashtraDGIPR
/MahaDGIPR

पत्थर से हमले में घोड़ा घायल,श्रीनिवास भागे

विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा

विश्वास वाले भक्तों को हर पल होता है तिरूपति में अनुभव

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा यहां प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरूवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं.तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साभार लिया जा रहा है.जय गोविंदा,जय गोविंदा, जय गोविंदा.डिजिटल संस्करण

www.vidarbhswabhiman.com/9423426199

ग़तांक से जारी-छोड क़र भागते हुए इस पर्वत पर चढ़कर मैंने अपने को बचा लिया. ब्र्ह्म ने ऐसी करवाया है. उस पथराव से मेरा घोडा घायल होकर नीचे गिर गया. तब संदरी को बनाकर उसे कठोर बद्धि दी है. उसने मझे इतना कष्ट दिया है. मझे चिंता दी है. ब्र्ह्म ने उस कांता को मेरे लिए बनाया है. इसलिए तुम अब मेरी सहायता करके उस कन्या को प्राप्त करने का उपाय बताओ. ऐसा करेगी तो उसके माता-पिता के. सहोदरादि बंधुओं के साथ मेरे भक्त जन प्रह्लाद, नारदादि परम भागवोत्तमों को साथ भेजूंगा. अनेक गो, भू, हिरन्यादि दान देने से जितना पण्य होगा उतना पण्य मांगल्य धारण करानेवालों को मैं दूँगा. इसलिए तुम मझसे पद्मावती के साथ मांगल्य धारण कराओ.' आगे इस रूप में कहा. 'उचित शुभ लग्न में उसके साथ मेरा विवाह कराने से तम्हारे प्रति प्रीति बढ़ेगी. इसलिए शीघ्र ही विवाह कराओ.' हरि ने उत्साह से कहा. तब स्नेह से वकुला ने कहा. 'हे पुत्र ! यह परमाश्चर्य की बात है कि धरती में पद्म से इस प्रकार संदरी का जन्म होने का क्या कारण है? तम मोद से इसके बारे में बताओ.' यह सुनकर हरि ने इस रूप में कहा.राम कथा को हरि वकुला को सुनाना पद्मावती (वेदवती) का पूर्व वृत्तांत

हे माँ ! अच्छी तरह सुनी. पूर्व काल में त्रेता युग में दशरथ के पुत्र के रूप में जन्म लेकर, विश्वामित्र के यज्ञ की रक्षा करके, शिव धनु को तोड़कर, जनक की पुत्री के साथ विवाह करके, अयोध्या पहुँचकर, अपने पिता की आज्ञा पर सीता और लक्ष्मण को साथ लेकर राम वनवास पर गया था. तब जंगल में जानकी ने एक माया मृग को देखकर शीघ्र उसे पकड़कर लाने के लिए मझसे कहा था. मझे ढूँढ़ते लक्ष्मण भी आ गया था. तब रावण नामक एक राक्षस वहाँ पर आकर सीता को हई. उसे किसी ने नहीं छुड़ाया. तब अग्रि ने रावण से पूछा था कि 'हे पकड़कर रथ पर लाद कर ले गया. तब सीता 'रामा' कहती व्याकुल दशग्रीव! यह सीता नहीं है. यह कौन है?' तब सुनो.

राम ने उस सीता को मेरे पास छोड कर एक ब्रह्मण की स्त्री को सीता की तरह बना कर उसमें रखकर चले गए. तुम्हारे खेह के कारण यह रहस्य मैंने तमको बताया. इस रूप में शांति से बता कर सीता का वेश वेदवती को डाल कर ले आकर रावण को सौंपा. वह मर्ख रावण सीता को वहाँ छोडकर उस वेदवती पर कामक होकर अपने साथ ले गया. अशोक वन में उसे रखा. रामा! कहते अपने को वह वेदवती सीता की तरह वहाँ पर अशोक वन में रही.

इस रूप में वेदवती ही रावण के पास बंदी के रूप में रही. अग्नि ने सीता को अपनी पत्नी के पास छिपाकर रखा. मैंने मनष्य के वेश में उस रावण से यद्ध करके उसका संहार किया. सीता को पाने के लिए मैंने सागर पर सेत को बांधा. रावण, कंभकर्ण आदि मख्य राक्षसों का संहार किया. सबकी प्रशंसा प्राप्त करके रावण के पास बंदी के रूप में रहनेवाली सीता को देखकर 'अगर तम अग्नि में प्रवेश करके आओगी तो ही तमको स्वीकार करूँगा.' ऐसा कहा. तब वह सीता अग्नि में सरचिर भक्ति से कूद पड़ी थी. तब दो सीताएँ अग्नि में खड़ी होने से सीता को बुला कर मैंने पूछा था कि 'हे री! तम्हारे साथ खड़ी वह दूसरी कौन है? सच सच बताओ!' तब सीता ने कहा 'दशकंठ मझे पकड़कर लाते समय मैं चिंता का शिकार हई थी. तब मैंने अग्नि देव से प्रार्थना की थी. अग्निदेव ने अपने पास रहनेवाली वेदवती को लाकर रावण को सौंपा और मझे अपने में छिपा लिया था. वेदवती ने लंका पहुँचकर रावण की सारी हिंसाओं को झेला है. उसने मेरे लिए यह सब कुछ सहा है. तुम पर इच्छा से तप करनेवाली कन्या होने के कारण इस कन्या पर दया करके सत्करूणा से इसके साथ प्रेम से विवाह कर लो.' इस रूप में सीता ने कहाछ्वेदवती द्वारा माता सीता की रक्षा के लिए किए गए योगदान का जिक्र जैसे ही भगवान ने किया, वह शादी के लिए तैयार हो गई.

शेष अगले अंक में

घर की छत पर पक्षियों के लिए दाना-पानी की सुविधा करें. भीषण गर्मी में उन्हें हमारी सर्वाधिक जरूरत है. सृष्टि हित में विदर्भ स्वाभिमान की विनम्र प्रार्थना है. इस माध्यम से पुण्य कमाने का सुअवसर मिल रहा है.

विदर्भ स्वाभिमान

सर्वज्ञ फाउंडेशन रोटी बैंक के 8 वर्ष पूर्ण, नौवें वर्ष में प्रवेश

स्व. रमेशराव पावडे की जयंती पर विविध सामाजिक कार्यक्रम,दर्जनों पुरस्कार हैं सेवा

विदर्भ स्वाभिमान,3 जून

अमरावती-श्री प्रभु कृपा एवं नागरिकों के आशीर्वाद से 7 जून 2018 को स्थापित सर्वज्ञ फाउंडेशन रोटी बैंक व धान्य बैंक को 7 जून 2026 को 8 वर्ष पूर्ण होकर नौवें वर्ष में प्रवेश हो रहा है.

स्व. श्री रमेशराव पावडे (पूर्व नगरसेवक, पूर्व उपाध्यक्ष - डॉ. पंजाबराव देशमुख अर्बन को-ऑप. बैंक) की प्रेरणा से शुरू हुई इस संस्था का कार्यालय सरस्वती नगर, नवीन कॉटन मार्केट के पीछे, अमरावती में स्थित है. संस्थापक अध्यक्ष मनीष रमेशराव पावडे व सचिव सौ. वैशाली पावडे के नेतृत्व में सेवादारों की टीम पिछले 8 वर्षों से निस्वार्थ भाव से सेवा कर रही है.

6-7 जून को विशेष कार्यक्रम-

संस्था के प्रेरणास्रोत स्व. रमेशराव पावडे की जयंती एवं नौवें वर्ष में प्रवेश के उपलक्ष्य में दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं.

6 जून 2026, शनिवार सुबह 10 बजे हनुमान मंदिर चौधरी चौक, गजानन बाबा मंदिर इर्विन चौक एवं श्री अंबादेवी मंदिर परिसर में सड़क किनारे निराधार नागरिकों को अन्नदान किया जाएगा.

7 जून 2026, शनिवार-सुबह 10 बजेः गांधी चौक स्थित पानपोई पर मिठाई वितरण.दोपहर 12 बजेः बडनेरा बेघर आधार केंद्र व गाडगेबाबा वृद्धाश्रम में मिठाई वितरण,वसा फाउंडेशन को मूक प्राणियों की सेवा हेतु संस्था द्वारा आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी.

शाम 7 बजे-सर्वज्ञ फाउंडेशन कार्यालय, सरस्वती नगर में गुणवंत विद्यार्थी, वरिष्ठ नागरिक सम्मान एवं

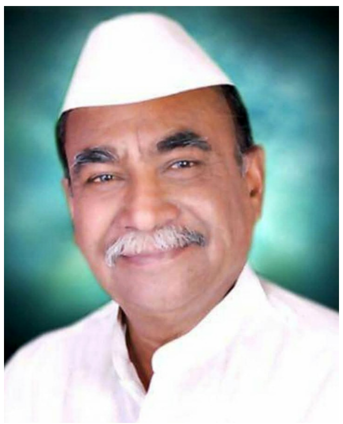

प्रेरणास्त्रोत-स्व.रमेशराव पावडे

राज्यस्तरीय चित्रकला स्पर्धा पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन होगा.

पानपोई सेवा के 90 दिन पूर्ण

उल्लेखनीय है कि 7 जून को ही गांधी चौक में चल रही 100 दिवसीय निःशुल्क पानपोई सेवा के 90 दिन भी पूर्ण हो रहे हैं.

8 वर्षों की प्रमुख सेवाएं

1. दैनिक अन्नदानः 2018 से सड़क किनारे निराधार लोगों को गर्म भोजन का वितरण

2. कोरोना काल में सेवाः 2020-21 के लॉकडाउन में लाखों प्रवासी मजदूरों व निराधारों तक पका भोजन व अनाज किट पहुंचाया

3. निःशुल्क पानपोईः गर्मी में प्रतिवर्ष 100 दिनों तक गांधी चौक पर पानपोई सेवा

4. धार्मिक आयोजनः प्रतिवर्ष भागवत सप्ताह का आयोजन, इस वर्ष सितंबर में गोकुलाष्टमी पर आयोजन प्रस्तावित

5. सामाजिक कार्यः नेत्रहीन व दिव्यांगजन के सामूहिक विवाह, कंबल-चप्पल वितरण, अंध विद्यालय में सामग्री वितरण

6. स्वास्थ्य व पर्यावरणः रोगियों को चिकित्सा सहायता, वृक्षारोपण, पक्षियों के लिए घोंसले निर्माण

7. व्यक्तिगत सेवाः निराधारों के लिए निःशुल्क हेयर कटिंग, शेविंग सेवा

मान्यता एवं सम्मान-संस्था को दिल्ली, मुंबई, पुणे, औरंगाबाद, कोल्हापुर, सोलापुर, शेगांव, नागपुर व अमरावती में सम्मानित किया जा चुका है. संत गाडगेबाबा अमरावती विश्वविद्यालय द्वारा 'श्री संत गाडगेबाबा सामाजिक कार्य पुरस्कार' से सम्मानित. संस्था क्रे उल्लेखनीय कार्यों को ध्यान में रखते हुए अभी तक दर्जनों पुरस्कार मनीष एवं वैशाली पावडे को मिल चुके हैं. पिता स्व.रमेशराव पावडे के आदर्श संस्कारों और विचारों को जीवन क सिद्धांत बना लिया है.

संस्थापक अध्यक्ष मनीष रमेशराव पावडे ने बताया, 'कोरोना काल में भूखे लोगों तक भोजन पहुंचाने के लिए हमने दिन-रात काम किया. हम केवल माध्यम हैं, असली कर्ता वे दानवीर हैं जो गुप्तदान करते हैं. नौवें वर्ष में अन्नदान के साथ धार्मिक-सामाजिक कार्यों को और विस्तार देंगे.भीषण गर्मी में प्याऊ शुरू करने पर उनके कार्यों को ध्यान में रखते हुए सैकड़ों लोग जुड़े वे कहते हैं कि सेवा से उन्हें सुकून मिलता है. मनीष पावडे, वैशाली पावडे सहित पूरे परिवार को विदर्भ स्वाभिमान परिवार की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं.

मानवता का दीप जलाता सर्वज्ञ फाउंडेशन

आज के दौर में जहां समाज अनेक चुनौतियों से जूझ रहा है, वहीं कुछ संस्थाएं निस्वार्थ भाव से सेवा का ऐसा उदाहरण प्रस्तुत कर रही हैं, जो मानवता में विश्वास को और मजबूत बनाता है. ऐसी ही एक संस्था है सर्वज्ञ फाउंडेशन, जो समाज के वंचित, जरूरतमंद और उपेक्षित वर्गों के जीवन में आशा की नई किरण बनकर उभरी है. फाउंडेशन के अंतर्गत रोटी बैंक सेवा में जहां गरीबों, रास्ते पर सोने वाले सैकड़ों लोगों को अन्नदान किया जाता है, वहीं 90 दिनों से मनीष पावडे के नेतृत्व में गांधी चौक से जारी शीतल जलसेवा का हजारों नागरिकों ने लाभ उठाया और उठा रहे हैं. मानवता की सेवा को प्रभु सेवा मानने वाले मनीष पावडे के मुताबिक माता-पिता के आदर्श संस्कारों से प्रेरित होकर वे सहपरिवार यह सेवा करने का प्रयास कर रहे हैं. इसके लिए उन्हें अभी तक उन्हें दर्जनों पुरस्कार भी मिल चुके हैं. स्वयं का व्यवसाय संभालकर सेवा का यह कार्य किसी के लिए भी चनौती हो सकता है लेकिन मनीष के चेहरे पर सदा प्रसन्नता रहती है.

सर्वज्ञ फाउंडेशन का मूल उद्देश्य मानवता की सेवा के साथ ही जरूरतमंदों की यथासंभव मदद है. शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक जागरूकता और मानवीय सहायता जैसे अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य कर रही है. आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराना, जरूरतमंदों को स्वास्थ्य सेवाओं से

जोड़ना, रक्तदान शिविर आयोजित करना तथा सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रमों का आयोजन करना इसकी प्रमुख गतिविधियों में शामिल है.सर्वज्ञ फाउंडेशन के कार्यों की दखल जिला ही नहीं तो राज्यस्तर पर ली गई है. आज जब समाज को संवेदनशीलता, सहयोग और सकारात्मक सोच की सबसे अधिक आवश्यकता है, तब सर्वज्ञ फाउंडेशन जैसे संगठन मानवता का दीप जलाकर दूसरों के लिए प्रेरणा का कार्य कर रहे हैं. उनकी सेवाएं यह संदेश देती हैं कि यदि सामूहिक प्रयास और सेवा भावना हो, तो समाज में बड़ा बदलाव लाया जा सकता है.सर्वज्ञ फाउंडेशन केवल एक संस्था नहीं, बल्कि मानवता, करुणा और सामाजिक उत्तरदायित्व का सशक्त प्रतीक बन चुका है. समाज के प्रति उसकी प्रतिबद्धता और सेवा कार्य आने वाली पीढ़ियों के लिए भी प्रेरणास्रोत बने रहेंगे. पिछले 8 साल से फाउंडेशन मानवता की सेवा कर रहा है.

विदर्भ स्वाभिमान

संवाददाता चाहिए

महाराष्ट्र के साथ ही उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश में राष्ट्र धर्म और मानव धर्म को समर्पित होकर पत्रकारिता में सकारात्मकता को बढ़ाने का प्रयास करने वाले विदर्भ स्वाभिमान को मध्य प्रदेश के विभिन्न बड़े महानगरों में संवाददाताओं की नियुक्ती करनी है. सामाजिक, धार्मिक कार्य में उत्साह रखने वाले युवक संपर्क करें. अमरावती ही नहीं तो समूचे संभाग में आचार-विचार-आदर्श संस्कारों को बढ़ावा देने वाले हिंदी साप्ताहिक के रूप में पाठकों का प्यार पाने वाले विदर्भ स्वाभिमान को जिले की अचलपुर, चिखलदरा, चांदुर बाजार,वरूड़ में संवाददाताओं की नियुक्ति करनी है. सामाजिक दायित्व को महत्व देने वाले इच्छुक युवक-युवतियां संपर्क कर सकते हैं. आवेदन के साथ पासपोर्ट फोटो जरूरी है. इच्छुक अपना आवेदन हमें इस पते पर भेज सकते हैं. प्राप्त आवेदनों की जांच करने के बाद फैसला लिया जाएगा. सामाजिक सरोकार रखने वाले ही संपर्क करें.

हमारा पता

विदर्भ स्वाभिमान अखबार

छाया कॉलोनी, अकोली रोड, गजानन महाराज मंदिर के पीछे, अमरावती.

मोबाइल 9423426199/8208407139

www.vidarbhswabhiman.com

उमरेड से लापता है अरूण टाले, परिवार परेशान

जिसे भी दिखाई दें तत्काल पुलिस अथवा सागर टाले को सूचित करें,रिश्तेदारों के यहां भी खोजा

विदर्भ स्वाभिमान,3 जून

अमरावती/नागपुर- जिले की उमरेड तहसील निवासी अरूण टाले विगत 25 मई से घर से बिना बताए कहीं चले गए हैं. उनकी खोजबीन के लिए पुत्र सागर टाले के साथ ही पूरा परिवार परेशान हैं, अगर वह किसी को दिखाई दें तो इसकी जानकारी तत्काल उमरेड पुलिस थाना अथवा सागर टाले के संपर्क नंबर पर देने का आग्रह किया गया है. अरूण टाले के घर से जाने के बाद पूरा परिवार परेशान है और उनकी हर जगह तलाश करने का प्रयास कर रहा है. पुत्र सागर के अलावा परिवार के सदस्यों द्वारा हरसंभव तलाशी का प्रयास किया जा रहा है. इतना ही नहीं तो उमरेड पुलिस में भी उनके लापता होने की शिकायत करने के बाद थानेदार धनाजी झणक के नेतृत्व में भी पुलिस द्वारा उनकी तलाशी क़ा प्रयास किया जा रहा है. पुलिस के साथ ही सागर टाले ने लोगों से भी इस तरह का व्यक्ति कहीं दिखाई देने पर तत्काल जानकारी देने का आग्रह किया है. पूरा परिवार उनके

जाने से परेशान है, इतना ही नहीं तो स्वास्थ्य पर भी असर पड़ रहा है.दिखाई देने पर सागर टाले 8888398914, पता बुधवारी पेठ,जुना पोस्ट आफिस के पीछे उमरेड, जि. नागपुर से संपर्क करने का आग्रह किया है. पिछले लगभग12 दिनों से वह गायब होने के कारण पूरा परिवार परेशान है. उनसे भी घर लौटने तथा किसी को दिखाई देने पर तत्काल जानकारी देने का आग्रह सागर टाले के साथ ही पूरे परिवार ने किया है.

देश में 75 लाख घर होंगे सौर उर्जा से रोशन

नई दिल्ली- नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने गुरुवार को भरोसा जताया कि भारत दिसंबर तक पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत 75 लाख घरों में रूफटॉप सोलर पावर लगाने का लक्ष्य हासिल कर लेगा.अभी 41 लाख घरों में रूफटॉप सोलर पावर लग चुका है. सरकार ने फरवरी 2024 में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना शुरू की थी, जिसके लिए 75,021 करोड़ रुपये का बजट रखा गया था.

इस योजना का मकसद रूफटाप सोलर सिस्टम लगाना और एक करोड़ घरों को हर महीने 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली देना है.60 प्रतिशत और दो से तीन केडब्ल्यू क्षमता वाले सिस्टम की अतिरिक्त लागत का 40 प्रतिशत केंद्र सरकार की ओर से आर्थिक मदद के तौर पर दिया जाता है.

विदर्भ स्वाभिमान

सदस्य बनें

विदर्भ स्वाभिमान संस्कारों का प्रोत्साहित करने वाला अखबार है. बच्चों के लिए यह ज्ञान का भंडार है. इसकी सदस्यता का अभियान चल रहा है. ऐसे में सदस्य बनने के इच्छुक संपर्क करें. मार्केटिंग करने तथा पेपर बांटने के लिए लड़के चाहिए.

संपर्क

छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती.

मो.9423426199

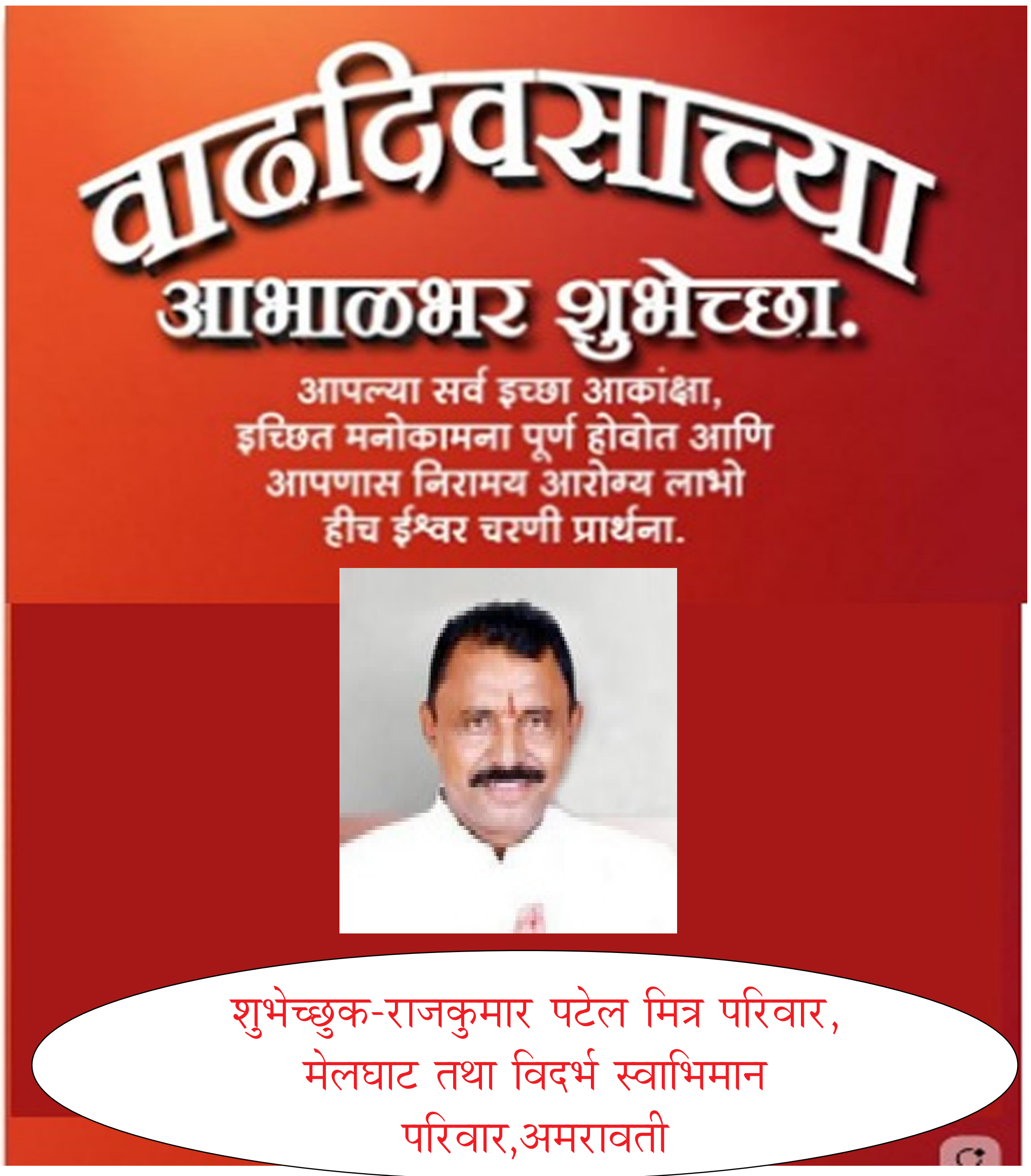

विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

महाराष्ट्र के साथ ही उत्तर प्रदेश में तेजी से लोकप्रिय हो रहे राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक विदर्भ स्वाभिमान के लिए विज्ञापन प्रतिनिधि की आवश्यकता है. मेहनती ही संपर्क करें.

- संपर्क -

विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय

छाया कॉलोनी,अकोली रोड, अमरावती.

मो. 9423426199, 8855019189

आदिवासियों के दिलों में रहते हैं राजकुमार पटेल

पुत्र रोहित पटेल भी चलते हैं पिता के नक्शे कदम, किसानों के साथ ही हर वर्ग को न्याय देने के लिए रहते हैं तत्पर

मेलघाट के आदिवासियों के लिए दिन-रात एक करने वाले तथा उनकी समस्याओं के निराकरण के लिए सदा तत्पर रहते हैं. लोकप्रिय पूर्व विधायक और जुझारू नेता के रूप में लोकप्रिय राजकुमार पटेल को जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं.

पिता की तरह ही पुत्र रोहित भी जनसेवा तथा किसानों की मदद को सदा तत्पर रहता है. वह बताते हैं कि मैं स्वयं को अत्याधिक भाग्यशाली समझताहूं जो आदिवासी जनता की समस्याओं के निराकरण के लिए सदैव जी-जान से प्रयास करने का संस्कार मेरे विधायक पिता तथा आदिवासियों के दिलों में नायक के रूप में स्थान रखने वाले राजकुमार पटेल से मिला. उनके गुरूवार 6 जून को जन्मदिन पर हजारों की संख्या में लोगों द्वारा जिस तरह से उनका सत्कार किया जाता है, यह सारे पल मेरे लिए आदर्श और अविस्मरणीय रहते हैं. पिता के ही पदचिन्हों पर चलते हुए मेलघाट की सदैव सेवा करने की मानसिकता रहती है. इस आशय का मत धारणी कृषि उत्पन्न बाजार समिति के सभापति और विधायक राजकुमार पटेल के सुपुत्र रोहित राजकुमार पटेल ने किया. पिता की खूबियों को गिनाते हुए वे बताते हैं कि बचपन से ही उन्हें जनसेवा का संस्कार मिला है. पिता दिन-रात जहां जनता की सेवा में व्यस्त रहते हैं, वहीं दूसरी ओर यही सीख उन्होंने सदैव दी है. महाराष्ट्र में रक्त की कमी को ध्यान में रखते हुए अपने जन्मदिन को भी सामाजिक रूप देने के लिए जनसेवा कार्यालय में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है. इसमें भारी संख्या में युवाओं ने उमड़कर अपने लोकप्रिय नेता के जन्मदिन पर रक्तदान के माध्यम से सामाजिक काम करने का प्रयास करेंगे. रोहित पटेल ने बताया कि बचपन से ही पिता ने हमेशा राजनीतिसे भी अधिक समाजसेवा कार्य करने की सीख दी है. आदिवासियों, किसानों के साथ ही जनता की किसी भी समस्या के लिए प्रशासन तथा वन विभाग से भी कई बार भिड़ जाते हैं. इसके कारण प्रशासन में भी विधायक राजकुमार पटेल की आक्रामकता का खौफ देखा जाता है. कृषि मंडी सभापति के रूप में धारणी के किसानों को सदैव न्याय दिलाने का प्रयास करने वाले रोहित पटेल का कहना है कि जनता उनके लिए परिवार की सदस्य रहती है. इसलिए वे जनता का दर्द नहीं देख पाते हैं. आदिवासियों की कोई भी समस्या हो, सबसे पहले उनके पिता राजकुमार पटेल सामने आते हैं और तब तक शांत नहीं बैठते हैं जब तक समस्या का समाधान नहीं होता है.

पिता ही हैं आदर्श

मेलघाट में अपार लोकप्रियता प्राप्त करने के साथ ही गरीबों , आदिवासियों और किसानों को सदैव न्याय दिलाने के लिए तत्पर रहने वाले प्रहार पार्टी के वरिष्ठ नेता विधायक राजकुमार पटेल ही उनके आदर्श रहने की जानकारी देते हुए युवाओं में भी तेजी से लोकप्रिय हो रहे रोहित पटेल ने बताया कि उनका पूरा परिवार ही सदैव सत्ता की बजाय जनता की सेवा को महत्व देता है. यही कारण है कि आज पटेल परिवार को मेलघाट ही नहीं तो राज्यस्तर पर आदर्श राजनीतिक परिवार के रूप में माना

जाता है. लोगों का प्रेम ही अपनी सबसे बड़ी ताकत बताते हुए किसानों को बेहतरीन मौका देने वाले रोहित पटेल ने कहा कि हर व्यक्ति के लिए उनके पिता सहजता से उपलब्ध होते हैं. राज्य के वे पहले ऐसे विधायक हैं, जो सदैव जागृत रहते हैं और लोगों की समस्याओं के निराकरण के लिए सदैव तैयार रहते हैं.विधायक पुत्र होने का गुमान कभी भी रोहित पटेल में नहीं दिखाई देता है. किसी से भी बातचीत करते समय उनकी विनम्रता निश्चित तौर पर किसी का भी दिल जीत लेती है. वे कहते हैं कि उनके जीवन में आज वे जो भी करते हैं, इन सभी कार्यों पर पिता के आदर्श की छाप रहती है. भविष्य में भी जनता का प्यार सदैव इसी तरह पटेल परिवार को मिलता रहेगा और जनता के सुख-दुख का साथी बनते हुए सदैव प्रयास जारी रखने का भरोसा जताया. सत्ता में रहें अथवा बाहर राजकुमार पटेल परिवार सदा सेवाभावी कामों में अग्रणी रहता है. आप स्वस्थ रहें, मस्त रहें औ र आपकी सभी इच्छाएं पूरी हों, प्रभु चरणों में यही कामना करते हैं.

रोहित पटेल, पुत्र.

Happy Birthday!

शहर ही नहीं तो जिलास्तर के सुख्यात समाजसेवी, पूर्व नगर सेवक और सामाजिक कामों में स्वयं को झोंकने वाले हम सभी के चहेते तथा मिलनसार स्वभाव के धनी

डॉ.सुभाष रत्नपारखी

को जन्मदिन 10 जून पर हमारी अग्रिम हार्दिक

शुभकामनाएँ.

शुभेच्छुक

रत्नपारखी परिवार, विदर्भ स्वाभिमान परिवार, अमरावती

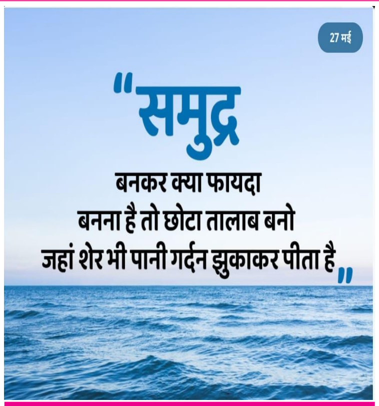

विदर्भ स्वाभिमान

सप्ताह के सात वार के अलावा सबसे बड़ा वार परिवार रहता है. जब सभी एक-दूसरे की भावना समझते हैं, एक-दूसरे का सम्मान करते हैं तो वह सुखी परिवार और इसके उल्टा सभी जब एक-दूसरे से जलने की भावना रखते हैं तो वह दुःखी परिवार होता है. आप सुखी परिवार बनें.

जरूरी नम्बर टोल फ्री

विद्युत सेवा	1912
पुलिस सेवा	112
अग्नि सेवा	101
एम्बुलेंस सेवा	102
यातायात पुलिस	103
आपदा प्रबंधन	108
चाइल्ड लाइन	1098
रेलवे पूछताछ	139
भ्रष्टाचार विरोधी	1031
रेल दुर्घटना	1072
सड़क दुर्घटना	1073
सीएम सहायता लाइन	1076
क्राइम सहायता	1090
महिला सहायता लाइन	1091
पृथ्वी भूकम्प	1092
बाल शोषण सहायता	1098
किसान काल सेन्टर	1551
नागरिक काल सेन्टर	155300
ब्लड बैंक	9480044444

भक्तों का श्रद्धास्थल बनता जा रहा है श्रीलक्ष्मी नारायण मंदिर

पंडित अशोक जोशी का श्रृंगार सभी को भाता, लगती है भीड़

विदर्भ स्वाभिमान, 3 जून

अमरावती - यहां के सतीधाम कॉम्प्लेक्स स्थित भगवान श्रीलक्ष्मीनारायण दुर्गा माता मंदिर में हर माह पड़नेवाली दोनो एकादशी को एकादशी पर्व के रूप मनाया जाता है. इसी श्रृंखला में रविवार को एकादशी पर्व भक्तिभाव से मनाया गया. लाखों भक्तों के श्रद्धास्थल के रूप में इस मंदिर में भक्तों की सदैव भीड़ रहती है. मंदिर के पुजारी पंडित अशोक जोशी द्वारा की जाने वाली सजावट और श्रृंगार भक्तों को आकर्षित करता है. सालभर मंदिर में धार्मिक आयोजनों के साथ ही महाप्रसाद का कार्यक्रम चलता रहा है. शहर ही नहीं तो आसपास के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में भाविक भक्त यहां आते हैं और दर्शन कर धन्य हो जाते हैं.

सुबह मंदिर खुलने से लेकर बंद होने तक हजारों की संख्या में भक्त यहां पहुंचते हैं. भक्तों की यह भीड़ दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है. हर पर्व पर यहां कोई न कोई आयोजन होता है. महिला भक्तों के साथ ही पुरूष भक्तों की संख्या में तेजी से इजाफा होता है. इस अवसर पर मंदिर के पुजारी पं. अशोक जोशी महाराज द्वारा श्रीजी व माता राणी का औलोकिक किया गया श्रृंगार सबको आकर्षित कर रहा था. मंदिर परिसर सुशोभित लाईटिंग डेकोरेशन से जगमगा रहा था. मंदिर द्वारा हो रहे हर आयोजनों में असंख्य श्रध्दालुओं की भारी भीड़ सदा ही बनी रहती है. मंदिर के कार्यक्रमों की सफलतार्थ जवाहर व्यास,एड. सत्यनारायण लढ्ढा, विजय निचत, विजय अनासने,संदीप मेहता, राजेश शर्मा, जानराव इंगले, मोहन साहू, पिंकी मुलानी, आशा दवे, किरण लढ्ढा, दुर्गा छांगाणी, कनरु गुप्ता, नविता गुप्ता, दुर्गा साहू,नमी गुप्ता,भगवती आठिया प्रयासरत रहते हैं.

हरविले आहेत

अरुण टाले
उमरेड जि. नागपूर

दि. 25/5/2026 पासून
उमरेड शहरातील बुधवारी पेठ
येथील घरातून न सांगता निघून गेले.
तेव्हापासून आजपर्यंत बेपत्ता आहेत.

सदर व्यक्ती आढळल्यास खालील नंबर वर संपर्क साधावा.

* संपर्क * **सागर टाले**
+91 8888398914

पत्ता : बुधवारी पेठ, जुना पोस्ट ऑफीसच्या मागे,
उमरेड जि. नागपूर

सेवा के प्रति पूरी तरह से समर्पित हैं ज्योति राठोड

अभी तक मिल चुके हैं दर्जनों पुरस्कार, निराधारों, बुजुर्गों की सेवा में रहती हैं सदा तल्लीन, कहती हैं मिलती है अपार खुशी

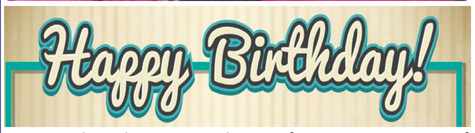

बडनेरा के आधार केन्द्र की प्रबंधक तथा जानी-मानी सेवाभावी ज्योति राठोड को 3 जून को जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार तथा आनंद परिवार की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. ज्योति राठोड सेवा करने के बाद भी जिस तरह से सदा प्रसन्न रहती हैं और अन्यों को प्रेरित करती हैं, वह कार्य बिरले लोग ही कर सकते हैं. उनके जन्मदिन पर केन्द्र में सभी निराधार बुजुर्गों के लिए खुशी का दिन रहता है. वे कहती हैं कि अच्छा करने से अच्छा होता है, यह उन्होंने बचपन से जीवन का सिद्धांत बना लिया है.

समाज में कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं जो अपने कार्यों और सेवा भाव से लोगों के दिलों में विशेष स्थान बना लेते हैं, ज्योति राठोड भी ऐसी ही हैं. वह स्वयं को सदा सेवा में तत्पर रखती हैं. बुजुर्गों की माता-पिता जैसी सेवा करते समय उन्हें अपार खुशी होने की बात वह कहती हैं. मेहनतद, लगन, समर्पण के साथ ही लिया गया काम पूरी ईमानदारी से करने वाली प्रेरणादायी शख्सियत हैं ज्योति राठौड़, जिन्होंने 'सेवा परमो धर्म' के सिद्धांत को अपने जीवन का लक्ष्य बनाया है.

ज्योति राठौड़ का मानना है कि मानव जीवन का वास्तविक उद्देश्य केवल अपने लिए जीना नहीं, बल्कि समाज के कमजोर, जरूरतमंद और वंचित वर्गों की सहायता करना भी है. यही सोच उन्हें निरंतर जनसेवा के कार्यों के लिए प्रेरित करती है. सामाजिक, शैक्षणिक और मानवीय गतिविधियों में उनकी सक्रिय भागीदारी उन्हें एक संवेदनशील और समर्पित समाजसेवी के रूप में पहचान दिलाती है.वे जरूरतमंदों की सहायता, महिलाओं के सशक्तिकरण, शिक्षा के प्रसार तथा सामाजिक जागरूकता के कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर योगदान देती हैं. उनका मानना है कि किसी भी समाज की वास्तविक प्रगति तभी संभव है जब प्रत्येक व्यक्ति सेवा और सहयोग की भावना को अपनाए.ज्योति राठौड़ का जीवन यह संदेश देता है कि निस्वार्थ सेवा से बढ़कर कोई धर्म नहीं है. उनके कार्य समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं और युवाओं को सामाजिक उत्तरदायित्व निभाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं.निश्चित रूप से, सेवा, समर्पण और मानवता के मूल्यों को आत्मसात कर ज्योति राठौड़ ने अपने जीवन को सार्थक बनाया है तथा समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की दिशा में उल्लेखनीय योगदान दे रही हैं.जीवन में अपने लिए तो सभी जीते हैं.लेकिन कुछ ही लोग ऐसे होते हैंजो अपने जीवन के साथ बाकी के बारे में भी विचार करते हैं.बडनेरा आधार केंद्र की समर्पित स्वयंसेवी ज्योति राठौड़ भी सेवा में समर्पित रहने वाली महिला समाजसेविका हैं. वह सदैव बुजुर्ग तथा निराधार और जिनका इस दुनिया में कोई नहीं है और जो सब कुछ रहने के बाद भी निराधार होते हैं, ऐसे बुजुर्ग महिलाओं और पुरूषों की सेवा तथा मदद में सदैव तत्पर रहती हैं. मेहनती, ईमानदारी और सेवा भाव को जीवन का सिद्धांत मानने वाली ज्योति राठोड के मुताबिक हर व्यक्ति इंसानियत का जतन करना शुरू कर दे तो धरती पर ही स्वर्ग उतर आएगा. लेकिन दु:ख की बात है कि इस मामले में आज के दौर में कोई ध्यान नहीं दिया जाता है. इंसान तेजी से बढ़ रहे हैं लेकिन इंसानियत तेजी से घट रही है.

सेवा भावना जहां उनमें कूट-कूट कर भरी है वहीं दूसरी ओर मनोरोगी बुजर्गों से लेकर बुजर्ग महिलाओं की सेवा में वे सदैव तत्पर रहती हैं.आज के दौर में किसी के काम पर उंगली उठाना बहुत सहज हो गया है. वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें, यही प्रभु चरणों में कामना.

आचार, विचार, संस्कारों के साथ ही संयुक परिवार, मानवता और भारतीयता को समर्पित सर्वाधिक लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र के ग्राहक बनकर अच्छाई को बढ़ावा देने में अपना हाथ बंटाए, आज ही सदस्यता फार्म भरें. मानवता की सेवा तथा राष्ट्रधर्म को समर्पित तथा पूरी तरह से सकारात्मक खबरों को महत्व देने वाले विदर्भ स्वाभिमान को मदद तथा आपके विचारों को प्रोत्साहित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं.

विदर्भ स्वाभिमान

संपर्क
9423426199/8855019189

सन् 1967 पासून

अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट

संजय एजंसीज्

टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.फोन 2564125,2674048

सिलेंडर पर कंपनियों को भारी नुकसान

नई दिल्ली- 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू एलपीजी सिलिंडर की सप्लाई की लागत बढ़कर 1,600 रुपये से ज्यादा हो गई है. इससे हर सिलेंडर पर लगभग 700 रुपये का नुकसान (अंडर-रिकवरी) हो रहा है, जिसे सरकार और पब्लिक सेक्टर की मार्केटिंग कंपनियां उठाती हैं.कीमतों में यह बढ़ोतरी इंटरनेशनल बेंचमार्क में हुई तेज वृद्धि के कारण हुई है. होर्मुज स्ट्रेट में रुकावट की वजह से फरवरी से सऊदी अरामको की एलपीजी कॉन्ट्रैक्ट प्राइस में लगभग 46ऽ की बढ़ोतरी हुई है.रुकावट से पहले फरवरी में प्रोपेन-ब्यूटेन के 50:50 मिक्स के लिए ब्लेंडेड सऊदी क्छ 542.50 अमेरिकी डॉलर प्रति टन था.

विदर्भ स्वाभिमान

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे | प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती
मो. 9423426199/ 8855019189

गुणवत्ता *विश्वसनीयता* *तत्पर सेवा*

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.